न्यूज डायरी

कोरोना का मंडराया खतरा, जापान ने तोक्यो, ओसाका में लगाया आपातकाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने देश में कोरोना वायरस के संक्रमण के मामलों में बहुत तेजी से इजाफा होने के बाद मंगलवार को तोक्यो, ओसाका और 5 अन्य प्रांतों में आपातकाल घोषित कर दिया है। आबे ने मंगलवार को कहा था कि ऐसे हालात बन रहे हैं जो लोगों के जीवन और अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं। आपातकाल लगने के बाद देश अब अप्रत्य्याशित अलर्ट जारी कर दिया गया है। इससे पहले आबे ने सरकार की बैठक बुलाई थी जिसमें तोक्यो, ओसाका और 5 अन्य क्षेत्रों में आपातकाल की घोषणा की गई। जापानी प्रधानमंत्री ने खासतौर पर तोक्यो और ओसाका जैसे शहरी इलाकों में संक्रमण के नये मामले तेजी से बढ़ने का हवाला देते हुए एक दिन पहले ही अपने आपातकाल के योजना की घोषणा कर दी थी। माना जा रहा है कि सरकार को डर है कि देश में बड़े पैमाने पर कोरोना वायरस का प्रसार हो सकता है।

मास्क पर 7 दिन तक रह सकता है कोरोना वायरसः चीनी वैज्ञानिक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेईचिंग। कोविड–19 से बचने के लिए हम जो मास्क लगाते हैं, उनमें कोरोना वायरस हफ्तेभर तक रह सकता है। वहीं, बैंक के करंसी नोट और कांच पर महामारी फैलाने वाला यह वायरस 4 दिनों तक जिंदा रह सकता है। स्टेनलेस स्टील और प्लास्टिक की सतह पर यह 4 से 7 दिन तक बना रह सकता है। हॉन्गकॉन्ग यूनिवर्सिटी की स्टडी में यह सामने आया है। इस में स्टडी रिसर्चरों ने यह जांचने की कोशिश की थी कि कोरोना का जानलेवा वायरस सामान्य तापमान पर कांच, नोट, मास्क, लकड़ी, कपड़े जैसी विभिन्न सतहों पर कितनी देर तक टिक सकता है। स्टडी में पाया गया कि लकड़ी से बनी चीजों या हमारे रोजमर्रा के कपड़ों में यह वायरस पर पूरे एक दिन तक जिंदा रह सकता है। हॉन्गकॉन्ग यूनिवर्सिटी की स्टडी बताती है कि कोरोना वायरस को आसानी से खत्म कर सकते हैं।

फ्रांस में 24 घंटे में रेकॉर्ड 833 से ज्यादा लोगों ने तोड़ा दम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेरिस। फ्रांस में कोरोना वायरस का कहर जारी है। सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, फ्रांस में 24 घंटों के भीतर 833 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। महामारी की शुरुआत के बाद दैनिक मौतों का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। देश के स्वास्थ्य मंत्री ओलिवियर वेरन ने मीडिया को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फ्रांस में कोरोना वायरस महामारी में मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 8 हजार 911 तक पहुंच गई। कोरोना वायरस महामारी के चलते फ्रांस में 17 मार्च से ही लॉकडाउन घोषित किया जा चुका है। हालांकि, अभी महामारी के संक्रमण का आंकड़ा थमता दिखाई नहीं दे रहा है। फ्रांस ने अब हर रोज अस्पतालों के साथ नर्सिंग होम्स में कोरोना वायरस के संक्रमण से होने वाली मौतों का आंकड़ा जारी करना शुरू कर दिया है। पहले केवल अस्पतालों में दैनिक हिसाब से होने वाली मौतों का आंकड़ा जारी किया जाता था।

भारत पर ताव दिखा रहे डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में बुरी तरह फेल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। चुनावी बेला में कोरोना महासंकट के कुप्रबंधन को लेकर अपने घर में बुरी तरह से फंसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट संकेतों में भारत को धमकी दी है। ट्रंप ने कहा कि अगर भारत ने हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन पर से प्रतिबंध नहीं हटाया तो अमेरिका भी जवाबी कार्रवाई कर सकता है। दरअसल, अमेरिका में 10,876 लोगों की कोरोना से मौत हो गई और ट्रंप अपनी जनता को केवल कोरी दिलासा दे रहे हैं। इस महामारी को रोकने में पूरी तरह से फेल ट्रंप काफी निराश हैं। इसी हताशा में अमेरिकी राष्ट्रपति कभी विपक्षी नेताओं और कभी ईरान पर जुबानी हमले करके पूरे मुद्दे को डायवर्ट करने की कोशिश कर रहे हैं।

कोरोना से जंग में अब चीन ने ब्रिटेन को लगाया चूना

चीन से खरीदे गए 35 लाख एंटीबॉडी टेस्ट बेकार

महामारी

सरकार ने कहा कि इन एंटीबॉडी टेस्ट का व्यापक स्तर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। कोरोना महासंकट के बीच आयरलैंड के बाद अब ब्रिटेन को भी चीन ने चूना लगा दिया है। ब्रिटेन की सरकार के नए टेस्टिंग चीफ ने स्वीकार किया है कि चीन से खरीदे गए 35 लाख एंटीबॉडी टेस्ट बेकार निकले हैं। इन एंटीबॉडी टेस्ट का व्यापक स्तर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। चीन से मिले इस धोखे के बाद बाद इस महामारी से निपटने में ब्रिटेन की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

द टाइम्स के मुताबिक टेस्टिंग के चीफ बनाए गए प्रफेसर जॉन न्यूटन ने कथित रूप से कहा है कि ये चीनी टेस्ट केवल उन्हीं लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता की पहचान कर पा रहे हैं जो कोरोना वायरस से गंभीर रूप से बीमार हैं। उन्होंने कहा कि ये एंटीबॉडी टेस्ट शुरुआती चरण पार नहीं कर पाए और व्यापक पैमाने पर इससे जांच नहीं की जा सकती है।

अविश्वसनीय टेस्ट से बेहद गंभीर परिणामः इस बीच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉन्सन के प्रवक्ता ने चेतावनी दी है कि अविश्वसनीय टेस्ट से बेहद गंभीर परिणाम हो सकते हैं क्योंकि ये टेस्ट लोगों को उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता के बारे में झूठी दिलासा देंगे। इससे पहले ब्रितानी पीएम ने एंटीबॉडी टेस्ट को गेमचेंजर करार दिया था। उन्होंने कहा कि इससे देश से लॉकडाउन को हटाने में काफी मदद मिलेगी। बोरिस इन दिनों कोरोना से जूझ रहे हैं और आईसीयू में भर्ती हैं।

चीन के इस घटिया एंटी बॉडी टेस्ट से ब्रिटेन की उम्मीदों को गहरा झटका लगा है। इससे पहले कोरोना वायरस से जंग लड़ रहे पाकिस्तान को उसके सदाबहार मित्र चीन ने ही धोखा दे दिया था। दरअसल, चीन ने मेडिकल सप्लाई भेजने का वादा किया था और जब चीन से आए सामानों को खोलकर देखा गया तो पता चला कि एन–95 मास्क की जगह अंडरवेयर से बने मास्क पाकिस्तान को पकड़ा दिए गए हैं। यूरोप के कई देशों ने भी इससे पहले शिकायत की थी कि चीन से भेजे गए मास्क और किट खराब गुणवत्ता के हैं। स्पेन और नीदरलैंड्स ने तो मेडिकल सप्लाई वापस करने का भी फैसला कर लिया।

स्पेन को दिया था घटिया जांच किटः दरअसल, चीन में बने सामानों की गुणवत्ता को लेकर अक्सर दुनियाभर में सवाल उठते रहते हैं। कोरोना महासंकट के बीच इसका एक और उदाहरण स्पेन में देखने को मिला था। इस महामारी की विनाशलीला झेल रहे स्पेन ने कोरोना वायरस की तेजी से जांच के लिए चीन से जांच किट खरीदे लेकिन वे कोरोना पॉजिटिव मरीजों को डिटेक्ट ही नहीं कर पा रहे हैं।

लगता है जैसे न्यूक्लियर रिएक्टर के पास खड़ा हूं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। यहां अस्पताल में भर्ती इनमें से कुछ ऐसे मरीज हैं, जो अपनी मौत से पहले सिर्फ मुझे ही देख पाएंगे। उनके आसपास कोई नहीं होगा। वे आखिरी सांस ले रहे होंगे और उनके करीब उनका कोई न अपना होगा और न ही परिवार का कोई सदस्य। इनमें से कई वेंटिलेटर से उठने के बाद दुनिया नहीं देख सकेंगे। यही इस वायरस की सच्चाई है। जब भी मैं आईसीयू वॉर्ड में जाता हूं, यह सब बातें सोचने पर मजबूर हो जाता हूं।

अमेरिका में शिकागो के 33 साल के डॉक्टर कोरी डेबर्गग्रेव कोरोना वायरस के मरीजों की हालत कुछ इस तरह बयां करते हैं। यह वायरस दुनिया भर में लगभग 71 हजार लोगों की जान ले चुका है। लगभग 13 लाख लोग इससे संक्रमित हैं। डॉक्टर कोरी कोरोना वायरस के मरीजों का हाल बताते हुए कहते हैं कि यह अब मेरा रोज का काम हो चुका है। यह हर रोज किसी न किसी की जान जा रही है।

कोरी कहते हैं, मैं रोज 14 घंटे और सप्ताह में छह दिन काम कर रहा हूं। जब रोगियों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल रही होती है, तो मैं उनके नीचे एक ट्यूब रख देता हूं, ताकि हम उन्हें वेट पर रख सकें। हालांकि, वह कहते हैं कि इससे ज्यादा कुछ नहीं होने वाला।

पाक में कोरोना से जंग लड़ रहे ड०क्टरों का प्रदर्शन, बरसीं लाठियां

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पाकिस्तान। कोरोना से जंग लड़ रहे डॉक्टरों का प्रदर्शन, बरसीं लाठियांकोरोना वायरस से लड़ाई में श्भगवानश बन चुके हेल्थ वर्कर्स के साथ पाकिस्तान में मारपीट की खबर सामने आई है। उनके साथ मारपीट तब हुई जब वे पर्याप्त मात्रा में मेडिकल सप्लाई उपलब्ध कराने की मांग कर रहे थे। दरअसल, कोरोना से जंग में ये फ्रंटलाइन वॉरियर्स हैं और मरीजों को देखने के दौरान उनके संक्रमित होने का खतरा बना रहता है। ऐसे में जरूरी प्रॉटेक्टिव गियर की उन्हें जरूरत है। इसी की कमी का मुद्दा उठाते हुए क्वेटा में डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया। यहां पुलिस के साथ आतंक रोधी इकाई के सदस्य भी हाथों में डंडा लिए दिखाई दिए।

दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस से ठीक हुए 51 लोग फिर पॉजिटिव, चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सोल। कोरोना वायरस से जंग में काफी तारीफ बटोर रहे दक्षिण कोरिया से एक बुरी खबर है। दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस से संक्रमित 51 लोगों को फिर से इस महामारी से संक्रमित पाया गया है। इस बीच स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इंसान के ठीक होने के बाद भी कोरोना वायरस शरीर के अंदर छिपा रहता है और यह कभी भी उभर सकता है।

ठीक होने के बाद भी कोरोना शरीर के अंदर छिपा रहता है

योन्हप न्यूज एजेंसी के मुताबिक दक्षिण कोरिया के बीमारी रोकथाम केंद्र ने कहा कि दाइगो और उत्तरी ग्येओंगसांग प्रांत से सटे इलाकों के 51 लोग दोबारा इस महामारी से संक्रमित पाए गए हैं। यह वही इलाका है जो दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस का गढ़ माना जाता है। केंद्र के निदेशक जिओंग उन क्योंग ने कहा कि इस बात की पूरी संभावना है कि कोरोना वायरस फिर से शरीर में सक्रिय हो गया।

क्योंग ने कहा कि इन लोगों के दोबारा संक्रमित होने की संभावना नहीं है क्योंकि क्वारंटाइन से जाने के कुछ समय बाद ही इन्हें कोरोना से संक्रमित पाया गया है। दक्षिण कोरिया के स्वास्थ्य अधिकारियों को दाइगो भेजा गया है ताकि पूरे मामले की जांच की जा सके। इस बीच संक्रामक बीमारियों के विशेषज्ञ किम तेई क्यूंग ने कहा कि जिन लोगों में कोरोना वायरस पाया गया है, उनके अंदर यह वायरस छिपा रहा होगा। अब यह फिर से सक्रिय हो गया है।

आमतौर पर कोरोना वायरस से संक्रमित लोग 24 घंटे के अंतराल के बाद दो टेस्ट निगेटिव आने पर कोरोना मुक्त मान लिए जाते हैं। उधर, दक्षिण कोरिया में कोरोना का असर धीरे–धीरे कम होता जा रहा है। यहां सोमवार को केवल 50 नए मामले सामने आए। इससे कुल संक्रमित लोगों की संख्या 10,284 पहुंच गई है। अब तक 186 लोग इस महामारी से मारे गए हैं।

इंसानों पर हमला कर सकते हैं कोरोना जैसे हजारों जानलेवा विषाणुः विशेषज्ञ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। कोरोना वायरस के कहर से दुनिया की आधी आबादी इन दिनों लॉकडाउन है। इस महामारी से अब तक करीब 75 हजार लोग मारे जा चुके हैं और 1,347,689 लोग संक्रमित हैं। समाज में हरेक स्थ्तर पर बदलाव आ चुका है। महासंकट की इस घड़ी वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अभी कोरोना वायरस जैसे हजारों जानलेवा वायरस इंतजार में हैं और वे कभी भी इंसानों पर हमला कर सकते हैं। इस सदी की शुरुआत के बाद से अब तक दो कोरोना वायरस महामारी जानवरों से इंसान तक पहुंचीं और अब कोविड–19 तीसरी महामारी है। मेडिकल साइंस इन किलर वायरस से निपटने के लिए नए रक्षात्मक उपाय कर रहा है। हालांकि साक्ष्य बताते हैं कि ये वायरस अभी केवल शुरुआत हैं और आने वाले समय में इंसान को हजारों जानलेवा विषाणुओं से निपटना पड़ेगा। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक जानवरों में इतनी बड़ी तादाद में वायरस के पाए जाने जानकारी से वैज्ञानिक और शोधकर्ता आश्चर्यचकित नहीं हैं। हालांकि चिंता इस बात की है कि इंसान का लगातार व्यवहार बदल रहा है।